BOWEL CANCER SCREENING HINDI

The Facts

बावेल कैंसर स्क्रीनिंग

तथ्य

इस पत्रक का लक्ष्य क्या है?

इस पत्रक में बावेल यानी आँत के कैंसर की जानकारी है और यह आपको बावेल कैंसर स्क्रीनिंग यानी आँतों के कैंसर की जाँच के लाभ और खतरों के बारे में भी बताता है। इस पत्रक का ध्येय यह है कि वो एनएचएस बावेल कैंसर स्क्रीनिंग प्रोग्राम में समझ-बूझकर हिस्सा लेने का निर्णय लेने में आपकी मदद करे।

बावेल कैंसर स्क्रीनिंग का मक्सद क्या है?

- बावेल कैंसर स्क्रीनिंग का ध्येय यह है कि (ऐसे लोगों मे जिनमें कोई लक्षण नहीं हैं), उनमें आँत के कैंसर का आरंभिक काल में पता कर लेना जो कि ऐसा समय है जब इसके इलाज के प्रभावी होने की अधिक संभावना है।
- बावेल कैंसर स्क्रीनिंग से पॉलिप (polyp) का भी पता लग जाता है। पॉलिप कैंसर नहीं होते, पर कुछ समय बाद, ये कैंसर में बदल सकते हैं। इनको आसानी से निकाला जा सकता है, ताकि आँत के कैंसर के होने का खतरा कम कर दिया जाये।

क्या बावेल कैंसर स्क्रीनिंग करवाना ज़रूरी है?

- यूके में हर 20 लोगों में से करीब एक व्यक्ति को अपनी ज़िंदगी के दौरान आँत का कैंसर होगा।
- यूके में होने वाले आम रोगों में, आँतों के कैंसर का तीसरा स्थान है और कैंसर से होने वाली मौतों में इसका दूसरा स्थान है। हर साल 16,000 से अधिक लोगों की इससे मौत होती है (कैंसर रिसर्च , यूके, 2005. *Cancerstats (कैंसरस्टैट्स)।*
- पता चला है कि नियमित रूप से बावेल कैंसर स्क्रीनिंग करवाने से आँत के कैंसर से मौत हो जाने का खतरा 16% घट जाता है। कॉकरेन डेटाबेस ऑफ़ सिस्टमैटिक रिव्यूज़, 2006. *Screening for colorectal cancer using the faecal occult blood test: an update (स्क्रीनिंग फ़ॉर कोलोरैकटल कैंसर यूज़िंग द फ़ीकल औकल्ट ब्लड टैस्ट : एन अपडेट)*

एनएचएस बावेल कैंसर स्क्रीनिंग प्रोग्राम क्या है?

एनएचएस बावेल कैंसर स्क्रीनिंग प्रोग्राम, 60 से 69 साल की सभी महिलाओं और पुरुषों को, हर दो साल बाद, आँत के कैंसर की स्क्रीनिंग यानी जाँच करवाने की सुविधा देता है। इस उम्र के लोगों को खुदबखुद एक निमंत्रण, और इसके बाद एक स्क्रीनिंग किट, भेज दिया जाता है, ताकि वे आपनी जाँच अपने घर पर कर लें। प्रोग्राम चलाने वालों को आपके जीपी आपके संपर्क के विवरण भेजेंगे, इसलिये यह ज़रूरी है कि आपके जीपी के पास आपका सही नाम और पता हो।

आपकी पहली स्क्रीनिंग हो जाने के हर दो साल बाद, आपको एक और बुलावा और स्क्रीनिंग किट भेजा जायेगा जब तक कि आपकी उम्र 69 वर्ष की हो जाती है। अगर आपकी उम्र 70 वर्ष या इससे अधिक है, तो आप इस पत्रक के पीछे दिया गया फ़्रीफ़ोन नंबर डायल करके, स्क्रीनिंग किट मंगवा सकते हैं।

बावेल यानी आँत का कार्य क्या है?

बावेल यानी आँत हमारे पाचन तंत्र का एक हिस्सा है और छोटी और बड़ी आँत में विभाजित है। कोलोन (colon) और रैक्टम (rectum) नामक भाग मिलकर, बड़ी आँत ((large bowel) कहलाते हैं।

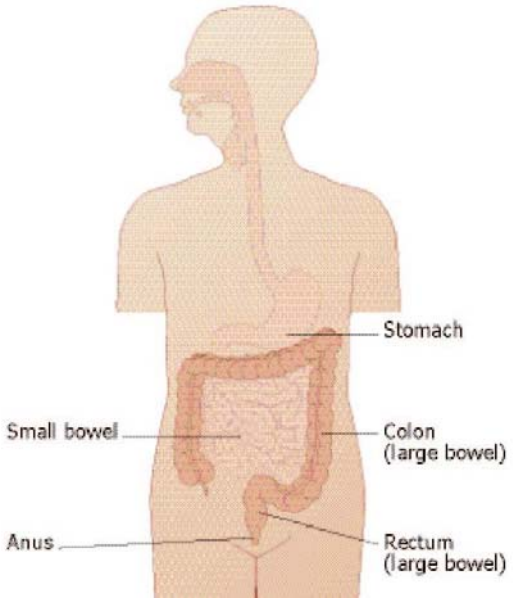

चित्र : बावेल यानी आँत या अंतड़ियाँ

Small bowel – छोटी आँत, Anus – छोटी गुदा या मलद्वार,
Stomach – पेट, Colon (large bowel) – कोलौन (बड़ी आँत), Rectum – रैक्टम या मलाशय

हमारा खाना पेट से होकर छोटी आँत में प्रवेश करता है। छोटी आँत जब पौष्टिक तश्वों को शरीर में खींच लेती है, वो खाना जिसका पाचन नहीं होता है, वह बड़ी आँत में प्रवेश करता है, जहाँ इस मल में से, पानी सोख लिया जाता है। इसके बाद, मल रैक्टम (आपके पीछे के मार्ग) में तब तक रुका रहता है जब तक कि वह बावेल मोशंज़ के ज़रिये (जिसको स्टूल्ज़ या फ़ीसीज़ यानी पाखाना या मल कहते हैं), शरीर से बाहर नहीं किया जाता है।

बावेल कैंसर क्या है?

बावेल कैंसर को कोलोन, रैक्टल या कोलोरैक्टल कैंसर भी कहते हैं। बावेल यानी आँतों के अंदर का ऊपरी भाग कोशिकाओं से बना होता है जिनका निरंतर नवीकरण होता रहता है। कभी-कभी, ये कोशिकायें बहुत शीघ्र विकसित हो जाती हैं जिसकी वजह से कोशिकाओं का एक समूह बन जाता है जिसको बावेल **पॉलिप** (जिसे कभी-कभी ऐडेनोमा (adenoma) भी कहते हैं)। पॉलिप आँत के कैंसर नहीं होते (ये साधारणत: बिनाइन यानी खतरनाक कैंसर नहीं होते), लेकिन, हो सकता है कि कुछ वर्षों बाद, ये मैलिगनैंट यानी खतरनाक कैंसर का रूप धारण कर लें। शरीर की कोशिकाओं में अगर उनके आरंभ होने की साइट से, शरीर के दूसरे भागों में फैल जाने की क्षमता होती है, तो उसे मैलिगनैंट कैंसर कहते हैं।

बावेल कैंसर होने का खतरा किसको होता है?

- पुरुष और महिलाएँ , दोनों ही को आँत के कैंसर का खतरा हो सकता है।
- आँत के कैंसर का खतरा उम्र के साथ-साथ अधिक होता जाता है। 10 में से आठ लोग जिनमें आँत का कैंसर पाया गया है, वे 60 साल से अधिक उम्र के होते हैं।
- जिन परिवारों में आँत का कैंसर पाया जा चुका है, उनके परिवार के सदस्यों को इस रोग से प्राावित होने का अधिक खतरा होता है।
- जो लोग कम व्यायाम करते हैं, जिनका वज़न अधिक है और जो अधिक माव्रा में रेड मीट यानी लाल माँस खाते है और सब्ज़ियाँ, फल और रेशेदार चीज़ें कम खाते हैं, उन सभी को आँत के कैंसर होने का खतरा अधिक माना जाता है।

स्क्रीनिंग टैस्ट कैसे काम करती है?

- स्क्रीनिंग टैस्ट से आपके पाखाने में खून की बहुत ही छोटी माव्रा की मौजूदगी, जिसे साधारण तौर पर आप अपनी आँखों से देख भी नहीं सकते हैं, का पता लग जाता है। इसको **फ़ीकल औकल्ट ब्लड (एफ़ ओ बी)टैस्ट (Faecal Occult Blood (FOB) test)**(‘औकल्ट ब्लड’ का मतलब होता है छुपा हुआ खून)।
- पॉलिप और बावेल कैंसर में से कभी-कभी खून बहता है, और इसी कारण हम आपके पाखाने को जाँचकर उसमें खून की मौजूदगी का पता लगाने की कोशिश करते हैं।
- **एफ़ ओ बी टैस्ट से बावेल कैंसर का निदान नहीं होता,** लेकिन उसके नतीजे से आपको पता चलेगा कि क्या आपको अपनी आँतों की जाँच (कोलोनोस्कोपी -colonoscopy) करवानी चाहिये या नहीं।

स्क्रीनिंग टैस्ट (एफ़ ओ बी) कैसे की जाती है?

एफ़ ओ बी टैस्ट आप खुद अपने घर के एकांत में करते हैं। स्क्रीनिंग किट में बताया गया है कि आप किस तरह आसानी से अपने पाखाने के छोटे नमूने एकव्र कर सकते हैं। एक खास कार्ड पर आपको इन नमूनों को मल देना होगा, जिसे आप फिर एक सफ़ाई से पूरी तरह बंद फ़्रीपोस्ट लिफ़ाफ़े के अंदर रखकर जाँच के लिये लैबोरेटोरी यानी प्रयोगशाला भेज देंगे। हर किट में निर्देशों के विवरण होते हैं। आपको लग सकता है कि जाँच को खुद करना आपके लिये शर्मिंदा करने वाला या अप्रिय अनुभव होगा, पर इसको पूरा करने में बस कुछ ही मिनट लगेंगे और आँत के कैंसर का जल्दी से पता लगाने का यह बहुत प्रभावी तरीका है।

मेरी जाँच के नतीजे मुझे कब मिलेंगे और उनका मतलब क्या है?

प्रयोगशाला से आपके नतीजों का पत्र आपको अपना नमूना भेजने के दो हफ्ते के अंदर मिल जायेगा। आपको तीन तरह के नतीजे मिल सकते हैं।

- **नॉर्मल** यानी सामान्य नतीजे का मतलब है कि आपके नमूने में खून नहीं पाया गया। अधिकांश (98%) लोगों को सामान्य नतीजा मिलेगा। इनमें से कुछ लोगों की जाँच दोबारा हुई होगी इसलिये कि पहला नतीजा अस्पष्ट था।

नॉर्मल यानी सामान्य नतीजा इस बात की गारंटी नहीं दे सकता कि आपको आँत का कैंसर नहीं है या आगे चलकर आपको ये कभी नहीं होगा, इसलिये बावेल कैंसर यानी आँत के कैंसर के लक्षणों के बारे में जागरूक रहना बहुत ज़रूरी है (पृष्ठ 5 देखिये)। बावेल कैंसर स्क्रीनिंग के लिये आपको दो साल बाद दोबारा आमंव्रित किया जायेगा।

- **अनक्लियर रिज़ल्ट** यानी अस्पष्ट नतीजे का अर्थ है कि आपके एफ़ ओ बी टैस्ट के नमूने में थोड़े से खून की झलक थी। इसकी वजह हैमरौइड्स (haemorrhoids) पाइल्ज़ ((piles) या पेट के अल्सर जैसी हालत हो सकती है। **नतीजे का अस्पष्ट होने का मतलब यह नहीं है कि आपको कैंसर है, बल्कि ये है कि आपको एफ़ ओ बी टैस्ट दोबारा करवाने की ज़रूरत है।**

अगर आपको अनक्लियर रिज़ल्ट यानी अस्पष्ट नतीजा मिलता है, तो आपसे एफ़ ओ बी टैस्ट अधिक से अधिक दो बार पूरा करने को कहा जा सकता है। यह ज़रूरी है क्योंकि पॉलिप और कैंसर से हर समय खून नहीं बहता है और यह पता करने की ज़रूरत है कि आपके पाखाने में खून है या नहीं है। हर 100 में से चार लोगों को अनक्लियर रिज़ल्ट यानी अस्पष्ट नतीजा मिलेगा। दोबारा जाँच करवाने वालों में से अधिकांश को नॉर्मल यानी सामान्य नतीजा मिलेगा।

- **ऐबनॉर्मल रिज़ल्ट** यानी असामान्य नतीजे का मतलब है कि हो सकता है आपके एफ़ ओ बी टैस्ट के नमूने में कुछ खून का पता लगा है – **यह कैंसर का निदान नहीं है , पर इसका अर्थ यह है कि आपको कोलोनोस्कोपी करवाने का मौका दिया जायेगा।** संभव है कि ऐबनॉर्मल रिज़ल्ट की वजह, बावेल कैंसर नहीं बल्कि बावेल पॉलिप से खून बहना रहा हो। इसके अन्य वजहों में शामिल है, मिसाल के लिये, हैमरौइड्स (पाइल्ज़)।

अगर आपको ऐबनॉर्मल रिज़ल्ट मिला है, तो आपको स्पैशलिस्ट नर्स से मिलने के लिये खास समय दिया जायेगा जिसमें आप आपनी आँत के अधिक विवरण पाने वाली जाँच (कोलोनोस्कोपी)करवाने के बारे में बातचीत कर सकेंगे ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या कोई समस्या तो नहीं है जिसका इलाज करवाना आवश्यक है। जाँच करवाने वालों में से हर 100 लोगों में से लगभग दो लोगों को सामान्य नतीजा मिलेगा।

स्क्रीनिंग के नतीजों का सारांश

नॉर्मल यानी सामान्य	आगे चलकर किसी तरह की जाँच करवाने की ज़रूरत नहीं है। आपसे दो साल बाद दोबारा स्क्रीनिंग करवाने के लिये संपर्क किया जायेगा।
अनक्लियर यानी अस्पष्ट	एफ़ ओ बी टैस्ट दोबारा कीजिये।
ऐबनॉर्मल यानी असामान्य	आपको कोलोनोस्कोपी करवाने के बारे में बातचीत करने के लिये खास समय दिया जायेगा।

कोलोनोस्कोपी क्या है?

कोलोनोस्कोपी एक जाँच है जिसमें आपकी बड़ी आँत की लायनिंग को सीधे जाँचा जाता है। एक पतली लचीली नली, जिसमें कैमरा लगा होता है, आपके पीछे यानी मलाशय के द्वार से, आपकी आँत तक पहुँचा दिया जाता है। अगर पॉलिप मिलते हैं , तो उनमें से अधिकांश को, एक वायर लूप यानी तार से बने फंदे को कोलोनोस्कोप की नली के ज़रिये अंदर डालकर, बिना आपको दर्द पहुँचाये, निकालना संभव है। इस तरीके से पाये गये टिश्यू सैंपल यानी ऊतक के नमूनों को असामान्य कोशिकाओं की मौजूदगी के लिये जाँचा जायेगा जो कि कैंसर पैदा करने वाले हो सकते हैं।

- कोलोनोस्कोपी करवाने वाले 10 लोगों में से पाँच के नतीजे नॉर्मल होंगे (उनको कैंसर या पॉलिप नहीं होगा)।
- 10 लोगों में से करीब चार में पॉलिप पाया जायेगा, जिसे निकाल देने पर कैंसर हो जाने से बचना संभव होगा।
- 10 लोगों में से करीब एक में कोलोनोस्कोपी करवाने के बाद पता चलेगा कि उनको कैंसर है।

कोलोनोस्कोपी, आँत के कैंसर के निदान यानी पता लगाने का सबसे प्रभावी तरीका है। अधिकांश लोगों के लिये कोलोनोस्कोपी करवाना आसान प्रकिया है। लेकिन,अधिकांश मेडिकल कार्यप्रणालियों के समान, संभव है कि कुछ परेशानियाँ पैदा हो जायें। इनमें शामिल हैं भारी मात्रा में खून बहने लगना (जिसकी संभावना 150 मामलों में तकरीबन एक है) जब अधिक जाँच या मेडिकल सलाह लेना ज़रूरी हो जायेगा। कोलोनोस्कोप आँत की दीवार में छिद्र (perforation) पैदा कर सकता है (जिसकी संभावना 1,500 में तकरीबन एक है)। बिरले ही ऐसा होता है कि कोलोनोस्कोपी के कारण किसी की जान चली जाये। वर्तमान आँकड़ों से पता चलता है कि 10,000 मामलों में, लगभग एक मामले में ऐसा होना संभव है।

कोलोनोस्कोपी पर अधिक जानकारी के लिये आप हमारा पत्रक 'द कोलोनोस्कोपी इंवेस्टिगेशन' 'The colonoscopy investigation' देख सकते हैं। हम यह पत्रक किसी भी ऐसे लोगों को भेजेंगे जिसको कोलोनोस्कोपी करवाने के लिये अपॉइंटमेंट दिया गया है। **याद रखिये, अधिकांश लोग जिन्होंने एफ़ ओ बी टैस्ट पूरा किया है उनको कोलोनोस्कोपीकी करवाने की ज़रूरत नहीं होगी।**

अगर मेरा एफ़ ओ बी टैस्ट नॉर्मल नहीं है तो क्या मुझे कोलोनोस्कोपी करवाने की ज़रूरत होगी?

अगर आपका नतीजा ऐबनॉर्मल यानी असामान्य है, तो आपको स्पेशलिस्ट नर्स से मिलने के लिये अपॉइंटमेंट दिया जायेगा। वो आपको कोलोनोस्कोपी की प्रणाली पूरी तरह समझायेगा /गी और उसे करवाने के लिये आपकी क्षमता का भी मूल्यांकन करेगा /गी। आगर आप कोलोनोस्कोपी करवाना चाहेंगे, तो नर्स आपके लिये अपॉइंटमेंट बुक कर देगा /गी।

बावेल कैंसर स्क्रीनिंग पर कितना भरोसा किया जा सकता है?

- देखा गया है कि बावेल कैंसर स्क्रीनिंग यानी आँत के कैंसर की जाँच से इस रोग से मरने का खतरा कम हो जाता है।
- सभी स्क्रीनिंग यानी जाँच के समान, एफ़ ओ बी टैस्ट पर 100% भरोसा नहीं किया जा सकता है।
- संभव है कि कैंसर का पता न लग सके क्योंकि जब स्क्रीनिंग टैस्ट हुआ था, तब उसमें से खून नहीं निकल रहा था।
- यह भी हो सकता है कि आँत का कैंसर, एक स्क्रीनिंग टैस्ट और उसके बाद के दूसरे स्क्रीनिंग टैस्ट के बीच के दो वर्षों के अंतराल में शुरू हो जाये।
- एक स्क्रीनिंग टैस्ट और उसके बाद के दूसरे स्क्रीनिंग टैस्ट के बीच के दो वर्षों के अंतराल में यह ज़रूरी है कि आप आँत के कैंसर के लक्षणों के प्रति जागरूक रहें।

बावेल कैंसर के लक्षण क्या हैं?

आँत के कैंसर के जिन सबसे आम लक्षणों के प्रति जागरूक रहना ज़रूरी है वे हैं :

- पेट साफ़ होने में कोई लंबा चलने वाला बदलाव, खास तौर पर, पहले की तुलना में अधिक बार टॉयलेट जाने की ज़रूरत होना या बहुत हफ्तों तक डायरिया होते रहना;
- बिना किसी कारण के आपके मलाशय के द्वार से खून बहना;
- पेट दर्द, खास तौर से अगर वो बहुत ज़ोर से हो; और
- आपके पेट में पिंण्ड या ढेला बन जाना।

कृपया याद रखिये कि ऐसे लक्षणों का मतलब यह नहीं है कि आपको ज़रूर बावेल कैंसर है, पर अगर आपको इनमें से एक या उससे अधिक लक्षण, चार से छः हफ्तों तक हों, तो आपको अपने जीपी से मिलना चाहिये।

मुझे बावेल कैंसर का इलाज करवाना हो तो क्या होगा?

अगर ऐसा हो कि आपका बावेल कैंसर का निदान होता है, तो विशेषज्ञों का एक खास दल आपकी देखभाल करेगा। वे सुनिश्चित करेंगे कि आपको हमेशा ही सबसे अच्छा इलाज और सबसे उत्तम देखभाल मिले।

अगर बिल्कुल आरंभिक काल में बावेल कैंसर का निदान हो जाता है, तो बचने की संभावना 90% से अधिक है (कैंसर रिसर्च, यूके, (Cancer Research UK,) 2005. *कैंसरस्टैट्स (Cancerstats*).

बावेल कैंसर का प्रमुख इलाज है सर्जरी यानी चीरफ़ाड़। कुछ मामलों में, कीमोथेरेपी (chemotherapy) या रेडियोथेरेपी (radiotherapy) भी प्रस्तुत की जा सकती है।

अगर आँत से कोलोनोस्कोपी करवा कर निकाले गये किसी पॉलिप में कैंसर पाया जाता है, तो संभव है कि बस नियमित जाँच करवाने की ही ज़रूरत हो।

संभव है कि स्क्रीनिंग से पता लगाये गये हर कैंसर का इलाज करना असंभव हो।

जाँच हो जाने के बाद मेरे नमूने का क्या होगा?

एफ़ ओ बी टैस्ट के नमूने की जाँच के बाद, उसके नतीजे को डेटाबेस में रिकॉर्ड यानी दर्ज कर दिया जाता है और नमूने के कार्ड को नष्ट कर दिया जाता है। आपको उत्तम सेवा देने के हमारे मक्सद को पूरा करने और अपने कर्मचारियों की खास जानकारी के विकास के लिये, हम स्क्रीनिंग के रिकॉर्ड का नियमित पुनरीक्षण करते हैं। इसका मतलब है कि हैल्थ सर्विस यानी सेहत की सेवा में दूसरी जगह काम करने वालों को हो सकता है आपके रिकॉर्ड देखने की ज़रूरत हो।

हमारे रिकॉर्ड रखने के तरीके के बारे में अधिक जानकारी के लिये, आप 0845 4647 पर एनएचएस डायरैक्ट (NHS Direct) से संपर्क कर सकते हैं।

सारांश

बावेल कैंसर स्क्रीनिंग करवाने या न करवाने के बारे में तय करने के पहले, हो सकता है आप इसके कुछ लाभ और हानियों पर और अपने लिये आप जिन बातों को ज़रूरी समझते हैं, उनपर विचार करना चाहेंगे।

- यूके में मौत के कारणों में से, बावेल कैंसर का स्थान दूसरा है। बावेल कैंसर स्क्रीनिंग में भाग लेकर इस रोग से मरने के आपकी संभावना घट जाती है।

- बावेल कैंसर स्क्रीनिंग से पॉलिप होने का भी पता लग जाता है जो कि आगे चलकर कैंसर बन सकता है। कोलोनोस्कोपी करवाकर पॉलिप हटवा लेने से आगे चलकर, बावेल कैंसर होने का खतरा कम हो जाता है।

- यह संभव है कि अगर स्क्रीनिंग करते समय, आँत से खून नहीं बह रहा था, तो आँत के कैंसर होने के बारे में पता न लग सके।

- ऐबनॉर्मल यानी असामान्य रिज़ल्ट का मतलब है कि आपको कोलोनोस्कोपी करवाने का अवसर दिया जायेगा। अधिकांश लोग जिनकी कोलोनोस्कोपी होती है, उनको कैंसर नहीं होता है। हालाँकि यह बिरले ही होता है, कोलोनोस्कोपी करवाने के कुछ खतरे हैं।

- स्क्रीनिंग से पता लगाये गये हर कैंसर का सफल इलाज करवाना संभव नहीं है।

- हालाँकि लोगों को एफ़ ओ बी टैस्ट पूरा करना अप्रिय लग सकता है, उसको आप अपने ही घर के एकांत में पूरा कर सकते हैं।

इस पत्रक को कैंसर रिसर्च यूके ने, एनएचएस बावेल कैंसर स्क्रीनिंग प्रोग्राम तथा इंग्लिश बावेल कैंसर स्क्रीनिंग पायलेट से सलाह लेकर तैयार किया था।

इसको निम्नलिखित चैरिटीज़ से परामर्श करके भी विकसित किया गया था :

- बीटिंग बावेल कैंसर (Beating Bowel Cancer)
- बावेल कैंसर यूके (Bowel Cancer UK)
- कैंसरबैकअप (Cancerbackup)
- मैंज़ हैल्थ फ़ोरम (Men's Health Forum)

अधिक सूचना और सहारा

यदि आपके सवाल हों, या आपको बावेल स्क्रीनिंग के बारे में अधिक जानकारी चाहिये, तो आप निम्नलिखित कर सकते हैं :

- अपने प्रोग्राम हब से फ्रीफ़ोन नंबर 0800707 60 60 पर संपर्क कर सकते हैं ;
- अपने जीपी से बात कर सकते हैं ;
- एनएचएस बावेल कैंसर स्क्रीनिंग प्रोग्रामों की वैबसाइट पर जा सकते हैं www.cancerscreening.nhs.uk;
- एनएचएस डायरैक्ट की वैबसाइट पर जा सकते हैं www.nhsdirect.nhs.uk;
- कैंसरबैकअप की वैबसाइट पर जा सकते हैं www.cancerbackup.org.uk, या यह नंबर मिला सकते हैं 0808 8001234;
- कैंसरहैल्प (CancerHelp) की वैबसाइट पर जा सकते हैं www.cancerhelp.org.uk, या यह नंबर मिला सकते हैं call 0800 226237;
- बावेल कैंसर यूके की वैबसाइट पर जा सकते हैं www.bowelcanceruk.org.uk, या यह नंबर मिला सकते हैं 08708 506050;
- बीटिंग बावेल कैंसर की वैबसाइट पर जा सकते हैं www.beatingbowelcancer.org, या यह नंबर मिला सकते हैं 02088925256;
- मैंज़ हैल्थ फ़ोरम की वैबसाइट पर जा सकते हैं www.menshealthforum.org.uk, या यह नंबर मिला सकते हैं 02073884449.

अगर आपकी उम्र 70 साल या इससे अधिक है और आपको बावेल कैंसर स्क्रीनिंग किट चाहिये, तो आप यह **फ्रीफ़ोन नंबर** डायल कर सकते हैं **0800 707 60 60.**

एनएचएस कैंसर स्क्रीनिंग प्रोग्रामों के साथ मिलकर, कैंसर रिसर्च यूके प्रायमरी कैअर एजुकेशन ग्रूप (Cancer Research UK Primary Care Education Group) से सलाह तथा सहारा लेकर, डिपार्टमेंट ऑफ़ हैल्थ द्वारा प्रकाशित।

Cancer Research UK (कैंसर रिसर्च यूके)

© Crown copyright 2006
273372 1p Nov06

डिपार्टमेंट ऑफ़ हैल्थ के लिये सीओ आई द्वारा निर्मित
प्रथम संस्करण मई 2006

इस दस्तावेज़ की जानकारी को बिना औपचारिक अनुमति लिये या दाम दिये, निजी या आंतरिक प्रयोग के लिये दोबारा तैयार किया जा सकता है।

यदि आपको और कॉपियाँ चाहिये, तो यह संदर्भ दीजिये 273372/Bowel cancer -The Facts और यहाँ संपर्क कीजिये :

DH Publications Orderline
PO Box 777 London SE1 6XH
ईमेल :dh@prolog.uk.com
टेलिफ़ोन :08701 555 455
फ़ैक्स :01623 724 524
टैक्स्टफ़ोन :08700 102 870 (सोमवार से शुक्रवार को सुबह 8 से शाम 6 बजे तक)

www.cancerscreening.nhs.uk